ज्ञानदीप

अंक 108

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई.एस.ओ. : 9001–2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
आई.एस.ओ. : 9001–2015 प्रमाणित
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)
ISO-9001-2015 Certified

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020) 26126816, 26123436 रेलवे : 62731
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, मो 7420041134 रेलवे : 62101, 62158
फैक्स : 020-26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : iricenmail@iricen.railnet.gov.in
वेबसाईट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 28 | ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन | To Beam as a Beacon of Knowledge | अप्रैल–जून 2025

इस अंक में

1. हमारे नए महानिदेशक
2. श्री राजीव कुमार सिन्हा, अपर महानिदेशक एसएसटीडब्ल्यू का स्वागत
3. संसदीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति का निरीक्षण
4. मुख्य पुल इंजीनियर का सेमिनार
5. प्रधान मुख्य इंजीनियर का सेमिनार
6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 164वीं बैठक
7. भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक डॉक्यूमेंटरी
8. विश्व योग दिवस का आयोजन
9. निकट भविष्य में आयोजित पाठ्यक्रम
10. स्वागत एवं विदाई
11. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी



1. हमारे नए महानिदेशक



भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के 1988 बैच के अधिकारी श्री विजय कुमार पंजियार ने दिनांक 10 जून, 2025 को संस्थान के महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पहले आप प्रधान मुख्य इंजीनियर, चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्कशॉप, पश्चिम बंगाल के पद पर कार्यरत थे। आपने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है।

आपने वर्ष 1990 में परिवीक्षार्थी अधिकारी के रूप में भारतीय रेल की सेवा प्रारंभ की। आपने कैरियर की शुरूआत सहायक मंडल इंजीनियर बैंडल पूर्व रेल के पद से की। आगे आपने वरिष्ठ मंडल इंजीनियर–II हावड़ा मंडल, मंडल इंजीनियर एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर सियालदह, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) आसनसोल, उप मुख्य इंजीनियर / निर्माण – I / सियालदह, डीएफसीसीआईएल में मुख्य परियोजना प्रबंधक कोलकाता, मुख्य इंजीनियर (निर्माण) मेट्रो रेल कोलकाता, मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी पूर्वोत्तर रेल, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व रेल, प्रधान मुख्य इंजीनियर दक्षिण पूर्व रेल इत्यादि महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

आपने सेवाकाल के दौरान विदेशों में अर्थात सिंगापुर, कुआलालंपुर और इटली के मिलान में आयोजित आंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षणों में भी हिस्सा लिया है। सिविल इंजीनियरिंग के कार्य के साथ– साथ खेल, फोटोग्राफी और रेलवे का इतिहास एवं विरासत इत्यादि विषयों के अलावा सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी आपकी गहरी रूचि रही है। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करता है।

2. श्री राजीव कुमार सिन्हा, अपर महानिदेशक एसएसटीडब्ल्यू का स्वागत



1991 बैच के भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी श्री राजीव कुमार सिन्हा ने दिनांक 02 मई, 2025 से अपर महानिदेशक (एसएसटीडब्ल्यू) का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, दिल्ली में कार्यकारी निदेशक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत थे। आपने मालवीय रिजिनल इंजीनियरिंग कॉलेज, जयपुर (वर्तमान का एमएनआईटी, जयपुर) से बी.ई. सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की है।

आपने रेल सेवा सहायक इंजीनियर / देहरी–ऑन–सोन पूर्व मध्य रेल से प्रारंभ की। अपने सेवाकाल में आपने विभिन्न पदों पर कार्य किया जैसे मंडल इंजीनियर धनबाद, कार्यकारी इंजीनियर ट्रैक मशीन मुगलसराय, उप मुख्य इंजीनियर टीएसपी हाजीपुर, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) समस्तीपुर एवं दानापुर, उप मुख्य इंजीनियर / निर्माण /

संरक्षक
श्री विजय कुमार पंजियार
महानिदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
अतुल देशपांडे
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
प्राध्यापक, रेलपथ – 2

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग – उदय ताजणे, व.अनुवादक

डिजाइन, मुख्य इंजीनियर टीएसपी हाजीपुर, मुख्य इंजीनियर / निर्माण / मध्य, पूर्व मध्य रेल पटना आदि।

रेल परिसंपत्तियों का रखरखाव, नई रेल लाइन निर्माण/ दोहरीकरण के लिए विभिन्न पदों पर कार्य किया है, जिसमें सोन नदी पर पाइल फाउंडेशन पर 3 किलोमीटर लंबे बहुविध रेलपथ पुलों का निर्माण शामिल था। इसके अलावा, आपने डीएफसीसीआईएल में मुख्य परियोजना प्रबंधक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर कार्य किया, इस कार्य में डीएफसीसीआईएल के लिए दोहरी लाइन विद्युतीकृत रेलपथ का निर्माण शामिल है, जिसमें वेल फाउंडेशन के साथ 3 किलोमीटर लंबा पुल भी शामिल है। 2016 में डीएफसीसीआईएल ट्रैक पर मालगाड़ी का पहला ट्रायल रन चलाया गया। कार्यकारी निदेशक इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड दिल्ली के पद पर कार्य के दौरान छत्तीसगढ़ में नई लाइन परियोजना, श्रीलंका में रेलपथ उन्नयन, सचिन से वैतरणा सेक्शन तक डीएफसीसीआईएल की परियोजना आदि महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

आपने INSEAD सिंगापुर से 'कस्टमर स्ट्रेटेजी', ICLIF कुआलालंपुर से 'सिनेरिओ थिंकिंग एण्ड इनोवेशन' आदि शॉर्ट टर्म मैनेजमेंट प्रोग्राम तथा एनआईजी, ओस्लो, नॉर्वे से टनेलिंग टेक्नॉलॉजी पर पाठ्यक्रम पूर्ण किया। रेलवे के लिए 'गुणवत्ता आश्वासन' पर पुस्तिका प्रकाशित की और वर्ष 1999 और 2001 में आईपीडब्ल्यूई द्वारा आयोजित सेमिनार में तकनीकी पेपर्स प्रस्तुत किए हैं। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करता है।

3. संसदीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति का निरीक्षण





दिनांक 24 अप्रैल, 2025 को संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप–समिति ने पुणे में निरीक्षण बैठक का आयोजन किया, जिसमें इरिसेन की राजभाषा से संबंधित प्रगति की भी समीक्षा की गई। इस दौरान राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था जिसमें इरिसेन द्वारा लगाई प्रदर्शनी की माननीय संयोजक और संसद सदस्यों द्वारा सराहना की गई। निरीक्षण बैठक के बाद इरिसेन को माननीय संयोजक द्वारा ''संतोषजनक'' प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

4. मुख्य पुल इंजीनियर का सेमिनार

दिनांक 24 एवं 25 अप्रैल, 2025 को मुख्य पुल इंजीनियर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता श्री आर.के. गोयल, प्रधान कार्यकारी निदेशक/पुल/रेलवे बोर्ड द्वारा की गई। सेमिनार में श्री विनोद कुमार अपर महानिदेशक और संकाय सदस्य, श्री एस. के. सप्रा प्रधान कार्यकारी निदेशक इन्फ्रा.II, श्री वी.के.पांडेय कार्यकारी निदेशक बी एण्ड एस II, श्री आर.के.श्रीवास्तव कार्यकारी निदेशक बी एण्ड एस आदि आरडीएसओ, श्री नीरज कुमार कार्यकारी निदेशक बी एण्ड एस रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों के मुख्य पुल इंजीनियरों, रेलवे के सिविल इंजीनियरिंग के विभिन्न इंजीनियरों ने हिस्सा लिया।

श्री विनोद कुमार, अपर महानिदेशक, इरिसेन ने सभी का स्वागत किया और बताया कि मुख्य पुल इंजीनियर सेमिनार पुल निर्माण और अनुरक्षण के फील्ड में आने वाली चुनौतियों पर विचार–विमर्श एवं सर्वोत्तम समाधान खोजने, नई प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन के बारे में अनुभव साझा करने, उन्हें प्रस्तुत करने तथा क्षेत्रीय रेलों के बीच ज्ञान एवं अच्छी प्रथाओं के आदान–प्रदान करने का मंच है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं तत्पश्चात संस्थान पर आयोजित पाठ्यक्रमों और विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।



अध्यक्षीय भाषण में श्री आर. के. गोयल प्रधान कार्यकारी निदेशक/पुल/रेलवे बोर्ड ने कहा कि मुख्य पुल इंजीनियरों के लिए यह सेमिनार उनकी दिन–प्रतिदिन की समस्याओं का समाधान पाने, दिशानिर्देशों एवं तकनीकी उन्नयन खोजने, कोडल प्रावधानों और दस्तावेजों को जानने का एक अच्छा मंच है। इस सेमिनार से ज्ञान में वृद्धि होगी, पुलों की अनन्य समस्याओं से संबंधित नई जानकारी, तकनीक और समाधान पाने में सहायता होगी। उन्होंने कहा कि सेमिनार का उद्देश्य फील्ड में किए गए अनुभवों और नई खोजों को साझा करना है तथा पुलों के क्षेत्र में हमारे 150 वर्षों के अनुभव से हम सभी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।

सेमिनार में कार्यसूची की विभिन्न मदों पर जैसे, बेअरिंग, बीएमएस, संहिताएं एवं नियमावलियां, पैदल ऊपरि पुल, एचएसएफजी बोल्ट, दिशा–निर्देश, आरडीएसओ, डिजाइन एवं ड्राइंग, सड़क ऊपरि पुल, कर्मचारी मामलें आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा के उपरांत निर्णय लिए गए एवं रेलवे बोर्ड को अनुशंसा के लिए भेजे गए।

5. प्रधान मुख्य इंजीनियर का सेमिनार



दिनांक 26 एवं 27 जून, 2025 को प्रधान मुख्य इंजीनियर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता श्री आनंद भाटिया अपर सदस्य (सि.इंजी.) रेलवे बोर्ड द्वारा की गई। सेमिनार में श्री नवीन गुलाटी सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर रेलवे बोर्ड ने ऑन लाइन वीडियो कॉन्फरेन्सिंग के माध्यम से हिस्सा लिया। श्री प्रेम सागर गुप्ता प्रधान कार्यकारी निदेशक (सि.इंजी./पी.), श्री आशिष बंसल प्रधान कार्यकारी निदेशक (एम एण्ड

एमसी), श्री पंकज त्यागी कार्यकारी निदेशक (एल एण्ड ए), श्री सौरभ जैन निदेशक (सि.इंजी./पी.) आदि रेलवे बोर्ड, श्री विनय टाक कार्यकारी निदेशक ट्रैक–I, श्री एस के सिंह कार्यकारी निदेशक ट्रैक मशीन, श्री संदीप सिंह निदेशक (बी एण्ड एस–VI) आदि आरडीएसओ, क्षेत्रीय रेलों के प्रधान मुख्य इंजीनियरों तथा संस्थान के महानिदेशक श्री वी.के.पंजियार सहित संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। श्री विश्वास कुमार वरिष्ठ प्राध्यापक वरिष्ठ प्राध्यापक पुल II ने सेमिनार का संचालन किया।

श्री वी.के. पंजियार महानिदेशक इरिसेन ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि प्रधान मुख्य इंजीनियरों से 134 महत्वपूर्ण एजेंडा आइटम प्राप्त हुए थे, जो रेलवे के सिविल इंजीनियरिंग में चुनौतियों और नवाचारों के व्यापक स्पेक्ट्रम को दर्शाते हैं। इनमें जनशक्ति नियोजन, ट्रैक एवं ब्रिज इन्फ्रास्ट्रक्चर, ट्रैक मशीन, ठेके और सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं ।

श्री नवीन गुलाटी, सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) रेलवे बोर्ड ने ऑनलाइन संबोधन में मानसून के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों के भूस्खलन, गैर–पहाड़ी क्षेत्रों में बाढ़, जलभराव आदि के लिए गश्त की मोनिटरिंग, सतर्कता और जीपीएस डिवाइस की उचित व्यवस्था के बारे में महत्वपूर्ण अनुदेश दिए।

सेमिनार के अध्यक्ष श्री आनंद भाटिया अपर सदस्य सिविल इंजी. ने प्रधान मुख्य इंजीनियरों के अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को रेखांकित किया और कहा कि देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून आ गया है। हमारी सभी यंत्रणाओं को पूरे मौसम के दौरान सतर्क रहना चाहिए, खासकर गश्ती दल, सभी स्थिर चौकीदार और गश्ती दल को जीपीएस ट्रैकर प्रदान किए जाने चाहिए और सब–सेक्शनों में मिनी कंट्रोल सेटअप के माध्यम से उनकी आवाजाही की निगरानी की जानी चाहिए।

सेमिनार में जनशक्ति योजना, 160 किमी/घंटा गति को बढ़ाना, रेलपथ का अनुरक्षण और नवीनीकरण, यूएसएफडी, ट्रैक मशीन, आरओबी/आरयूबी/एफओबी/ब्रिज, निविदा/ठेका/कार्य की मंजूरी/सामग्री खरीद, टीएमएस/आईआरपीएसएम/पीएएमएस/ई–डीएएस, रेलवे बोर्ड की कार्यसूची, स्टेशन विकास/भूमि, विविध, उत्तर सीमांत रेल और पूर्व मध्य रेल की अनुपूरक कार्यसूची आदि पर विस्तार से चर्चा की गई एवं प्रस्तुतिकरण भी दिए गए। चर्चा के उपरांत निर्णय लिए गए एवं रेलवे बोर्ड को अनुशंसा के लिए भेजे गए।

6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 164वीं बैठक



संस्थान में दिनांक 02 मई, 2025 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 164वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के प्रारंभ में नए सदस्यों का स्वागत किया गया। समिति के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार, अपर महानिदेशक के कर–कमलों से संस्थान द्वारा हिंदी में रूपांतरित मेसनरी एवं कंक्रीट तकनीकी पुस्तक का विमोचन किया गया। रेलवे बोर्ड व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्राप्त प्रशस्तिपत्र वरिष्ठ प्राध्यापक परियोजना श्री बी. के. कुशवाहा एवं वरिष्ठ लिपिक श्रीमती कौशिकी ठाकुर को प्रदान किया गया। साथ ही ''मोनोग्राफ ऑन डब्ल्यूएपी 7 लोकोमोटिव और अल्ट्रा–सोनिक फ्ला डिटेक्शन यूएसएफडी'' आदि तकनीकी पुस्तकों के सह–लेखकों को भी प्रशस्तिपत्र प्रदान किए और शुभकामनाएं दी गई। अपने संबोधन में अध्यक्ष महोदय जी ने कहा कि दिनांक 24 अप्रैल, 2025 को संसदीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दूसरी उप–समिति द्वारा संस्थान



का राजभाषा विषयक निरीक्षण किया गया, जिसमें संस्थान का कार्य संतोषजनक रहा माननीय समिति के सदस्यों द्वारा संस्थान की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और राजभाषा प्रदर्शनी की भी भूरि–भूरि प्रशंसा की। आपने आगे कहा कि हमें सरकारी कामकाज में हिंदी का शत–प्रतिशत प्रयोग करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए तथा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए हमें हर–संभव प्रयास करने चाहिए।

श्री अतुल देशपांडे उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक रेलपथ 2 ने संसदीय समिति द्वारा किए गए निरीक्षण की सार्थकता एवं सफलता पर सदस्यों को बधाइयां दी और बताया कि समिति द्वारा दिए गए आश्वासनों का अनुपालन सुनिश्चित करना है। साथ ही सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों से राजभाषा के प्रयोग–प्रसार में सहयोग की अपेक्षा दर्शाई ।



7. भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक डॉक्यूमेंटरी

रेलवे बोर्ड के अनुदेशानुसार भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में संस्थान पर वर्ष के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिनांक 19 जून, 2025 को ''टोडा और कानी'' जनजाति की जीवनशैली के बारे में डॉक्युमेंटरी दिखायी गई। इस अवसर पर संकाय सदस्य, अधिकारी, प्रशिक्षु अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों सहित संस्थान के कर्मचारियों ने भारी संख्या में उपस्थिति दर्शायी।

8. विश्व योग दिवस का आयोजन

शारीरिक योग साधना, योग का एक रूप है जिसमें शारीरिक आसनों (मुद्राओं) और श्वास नियंत्रण (प्राणायाम) के माध्यम से शरीर और मन को स्वस्थ और मजबूत बनाया जाता है। यह एक प्राचीन अभ्यास है जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देता है।

दिनांक 21 जून, 2025 को इरिसेन और एसएसटीडब्ल्यू में विश्व योग दिवस का आयोजन किया गया। इस योग सत्र में संस्थान के महानिदेशक, संकाय सदस्य और उनके पारिवारिक सदस्य, कर्मचारी गण और प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन योग केंद्र ''योगाधिप'' द्वारा किया गया।

9. निकट भविष्य में आयोजित पाठ्यक्रम

1	25615	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	04 से 22 अगस्त
2	25813	पॉइंट एवं क्रासिंग, यार्ड लेआउट और यार्ड का अनुरक्षण	04 से 08 अगस्त
3	25814	फार्मेशन का निर्माण	11 से 16 अगस्त

4	25235	वेबिनार : कंपोजिट गर्डर और शियर स्डडस्	14 अगस्त
5	25815	एलडब्ल्यूआर, रेल वेल्डिंग, रेलपथ सहिष्णुता और रेलपथ की निगरानी	18 से 22 अगस्त
6	25202	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल)	25 अगस्त से 19 सितं.
7	25426	स्टील गर्डरों का फॅब्रिकेशन और निरीक्षण	25 से 30 अगस्त
8	25816	अवपथन जांच	25 से 30 अगस्त
9	25854	आईआरडब्ल्यूसीएमएस एण्ड यूडीएम	25 से 30 अगस्त
10	25236	वेबिनार : नई लाइनों, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण में गुणवत्ता प्रबंधन	29 अगस्त
11	25427	पुल योजना, निर्माण और लान्चिंग	01 से 06 सितंबर
12	25428	गति शक्ति यूनिट अधिकारियों के लिए अवसंरचना विकास	01 से 06 सितंबर
13	25616	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	01 से 19 सितंबर
14	25817	जेई/सीसेइंजी (ड्राइंग) के लिए विशेष पाठ्यक्रम	01 से 12 सितंबर
15	25429	पुल का निरीक्षण, अनुरक्षण और पुनर्स्थापना	08 से 12 सितंबर
16	25237	वेबिनार : स्टील / स्टल कंपोजिट ब्रिज गर्डरों के लिए क्यूएपी पर नीति और दिशा-निर्देश	12 सितंबर
17	25430	कंक्रीट प्रौद्योगिकी और पीएससी निर्माण	15 से 19 सितंबर
18	25855	कैड	15 से 20 सितंबर
19	25431	यंत्रीकृत अनुरक्षण और रेलपथ सहिष्णुता और रेलपथ की निगरानी	22 से 26 सितंबर
20	25432	ठेका और विवाचन, आईआरडब्ल्यूसीएमएस	22 सितं.से 03 अक्तू.
21	25617	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (यूएसएफडी)	22 से 27 सितंबर
22	25818	बिल्डिंग योजना, निर्माण और अनुरक्षण	22 से 26 सितंबर
23	25238	वेबिनार : बी-स्कैन यूएसएफडी	26 सितंबर
24	25618	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	29 सितं. से 17 अक्तू.
25	25703	जीएसवी के अंतिम वर्ष के छात्रों का शैक्षणिक दौरा	29 से 30 सितंबर
26	25819	यंत्रीकृत अनुरक्षण और रेल ग्राइंडिंग	29 सितं. से 04 अक्तू.

10. स्वागत एवं विदाई



संस्थान में कार्यरत **श्री आर. के. रैना, महानिदेशक के निजी सचिव**, की सेवानिवृत्ति दिनांक 30 अप्रैल, 2025 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।



श्री सुधीर कुमार एडके, वरिष्ठ अनुदेशक यांत्रिक 1 ने दिनांक 16 अप्रैल, 2025 को इरिसेन पुणे में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सवारी एवं मालडिब्बा), मध्य रेल, पुणे के पद पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री महेन्द्र अष्टगे, कार्यालय अधीक्षक**, की सेवानिवृत्ति दिनांक 31 मई, 2025 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री सुधीर चव्हाण, तकनीशियन ग्रेड III**, की सेवानिवृत्ति दिनांक 31 मई, 2025 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।

11.समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र संख्या 25101

प्रथम



श्री बी.मुथूकुमारन,
सहा.मं.इंजी./
अराकोणम जं./ चेन्नई
/ दक्षिण रेल

द्वितीय



श्री वी.वेल्ला दुरई,
सहा.मं.इंजी.
(सेंट्रल)/मदुरई/
दक्षिण रेल

तृतीय



श्री पोनेरी चिरंजीवी,
सहा.मं.इंजी.(उत्तर)/
सेलम/
दक्षिण रेल

आदमी का सबसे बड़ा शत्रु उसका अहंकार है । **– प्रेमचंद**

श्री अतुल देशपांडे, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ 2 भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे-। द्वारा केवल सीमित नि:शुल्क वितरण हेतु प्रकाशित ।